प्रतिवेदन

कहानी लेखन प्रतियोगिता सह कार्यशाला
(दिनांक 29 एवं 30 नवम्बर 2022)

दिनांक 29 एवं 30 नवम्बर 2022 को श्री अटलबिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर में प्राचार्य डॉ. अनूप व्यास की प्रेरणा व आइ. क्यू. ए. सी. प्रभारी डॉ. आदित्य लुणावत के मार्गदर्शन से हिन्दी विभाग द्वारा कहानी लेखन प्रतियोगिता सह कार्यशाला का आयोजन पॉकेट एफ एम के सौजन्य से किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रकाश गर्ग व पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव शर्मा द्वारा माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। स्वागत भाषण डॉ. राजीव शर्मा द्वारा दिया गया। पॉकेट एफ एम की ओर से श्री रविराज टाँक श्री नीतेश कुंभकार व श्री महेश दांतलेचा ने प्रतियोगिता सह कार्यशाला का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश गर्ग (प्रभारी प्राचार्य) द्वारा शुभकामनाएँ प्रदान की गई। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. उषा जैन द्वारा विद्यार्थियों को साहित्य के अध्ययन हेतु प्रेरित किया गया। हिन्दी विभाग द्वारा पॉकेट एफ एम के सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। उद्घाटन सत्र का संचालन हिन्दी विभाग की प्राध्यापक डॉ. मनीषा सिंह मरकाम ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। डॉ. बिन्दु परस्ते व प्रो. शीला चौहान ने प्रतिवेदन व छायाचित्र प्रभारी के दायित्व का निर्वहन किया।

इस दो दिवसीय प्रतियोगिता सह कार्यशाला में पॉकेट एफ एम के सदस्यों द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कथा लेखन की प्रक्रिया के विभिन्न चरण जैसे कथानक, पात्र-चयन, संवाद-लेखन, भाषा शैली आदि पर वीडियो व स्लाइड के माध्यम से प्रकाश डाला गया। पॉकेट एफ एम प्लेटफार्म पर उपलब्ध विभिन्न ऑडियो उपन्यास की जानकारी दी गई। प्लेटफार्म पर लेखन के माध्यम से धनार्जन की प्रक्रिया समझाई गई। उपन्यास लेखिका कु. प्रचिति एकतारे ने अपने लेखन अनुभव बताए। विद्यार्थियों के मध्य क्विज प्रतियोगिता व लघुकथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में एम. ए. हिन्दी साहित्य के मनीष मीणा व परिधि जैन विजेता रहे। लघुकथा लेखन में कु. दिव्या कुशवाह विजेता रहीं।

IQAC

(डॉ. सुषमा श्रीवास्तव)

कहानी लेखन प्रतियोगिता सह कार्यशाला
पॉकेट एफ.एम.

29/11/2022

Pocket Novel PRESENTS

कैंपस डायरीज़

लेखन प्रतियोगिता

लेखको का सम्मान यही हमारी पहचान

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर
IQAC, हिन्दी विभाग एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में।

CONTEST ALERT

No. of words	30,000 words
No. of days	Within 25 days
Results	15 days after competition ends

COMMENCEMENT 30TH NOV

Rank 1 - ₹10,000/-

Rank 2 - ₹5,000/-

Rank 3 - ₹2,000/-

Rank 4th-5th - ₹1000/- each

WIN CASH PRIZES

UPTO 10K

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए,
QR कोड स्कैन कीजिए

Read 1000+ novels on Pocket Novels

FOLLOW

GET IT ON Google Play

Available on the App Store

प्रतिवेदन - भारतीय भाषा उत्सव
दिनांक 11 दिसम्बर 2022

श्री अटलबिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर में दिनांक 11 दिसम्बर 2022 को भारतीय भाषा दिवस (चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती जयंती) पर भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अनूप व्यास ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। भारतीय भाषाओं के विकास व महत्व पर, संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता मेहता ने व्याख्यान दिया। मराठी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ज्ञानेश्वर तिखे ने मराठी गीत प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ी गीत हिन्दी विभाग की प्राध्यापक डॉ. बिन्दु परस्ते द्वारा प्रस्तुत किया गया। हिन्दी मराठी व संस्कृत विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अनूप व्यास ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से 'भाषाई सौहार्द' विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिन्दु परस्ते व आभार डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कविता-वाचन प्रतियोगिता (भारतीय भाषाएं) में हर्ष सागोरे प्रथम, स्नेहा कुमावत द्वितीय, तरुणा मालवीय तृतीय 'मातृभाषा की महत्ता' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अक्षत दुबे प्रथम, कुमकुम शिल्पकार द्वितीय व तब्बसुम खान तृतीय रहीं। निबंध प्रतियोगिता (मातृभाषा की महत्ता) में संजय रावत प्रथम, नेहा गुर्जर द्वितीय व मोना गहलोत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भारतीय भाषा पर आधारित 'पोस्टर प्रतियोगिता' में हंसा बासकले प्रथम, सुल्ताना शाह द्वितीय व स्नेहा कुमावत ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता में रिया देपाल ने बंगाली गीत अन्वी जैन ने भोजपुरी गीत व दिव्या गोला ने मालवी गीत प्रस्तुत कर क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. संजय राणे, डॉ. मनीषा माथुर प्रो. आशुतोष सोनी प्रो. शांता चौहान ने निर्णायक के दायित्व का निर्वहन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल संचालन व प्रतिवेदन ~~लेखन~~ का प्रभार हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुषमा श्रीवास्तव व प्राध्यापक डॉ. मनीषा सिंह मरकाम ने वहन किया। (विजेताओं (विद्यार्थियों) को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में अनेक विद्यार्थी व प्राध्यापक उपस्थित थे।)

भारतीय भाषा उत्सव दिनांक 11.12.2022

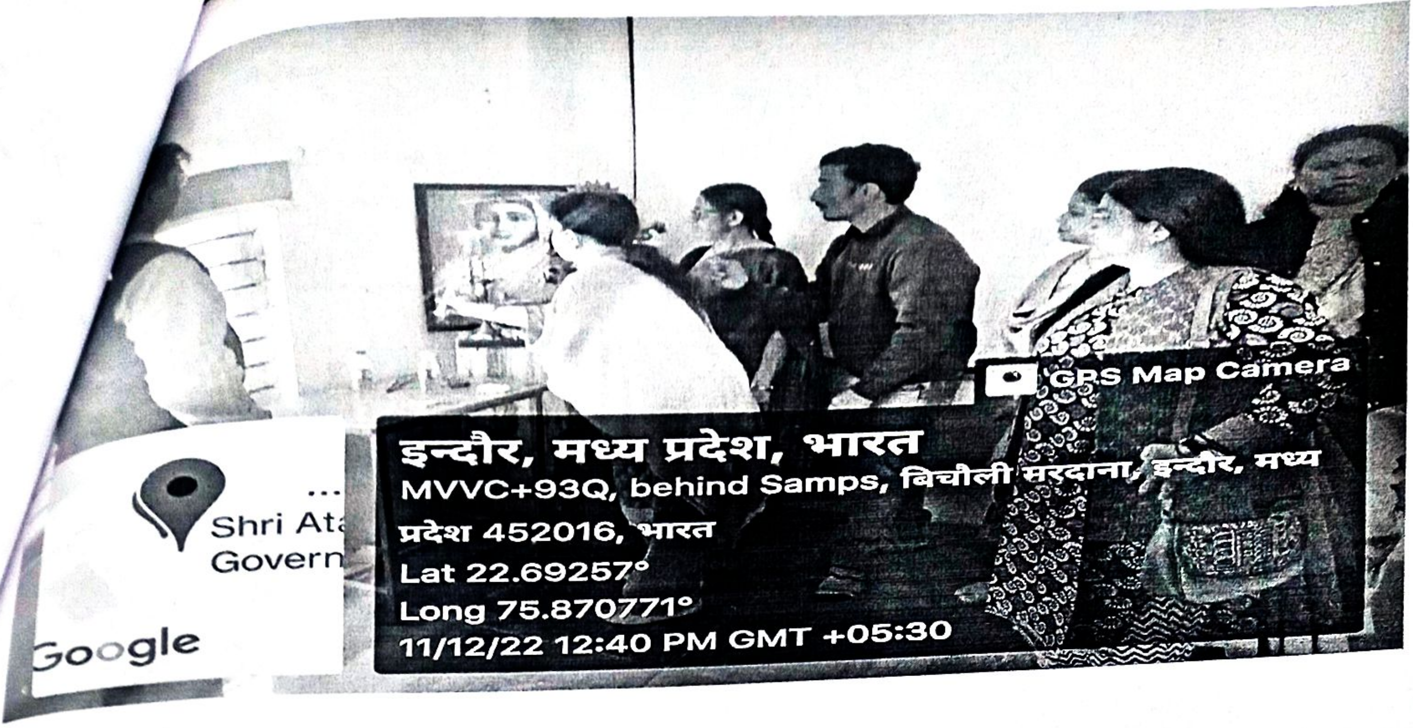

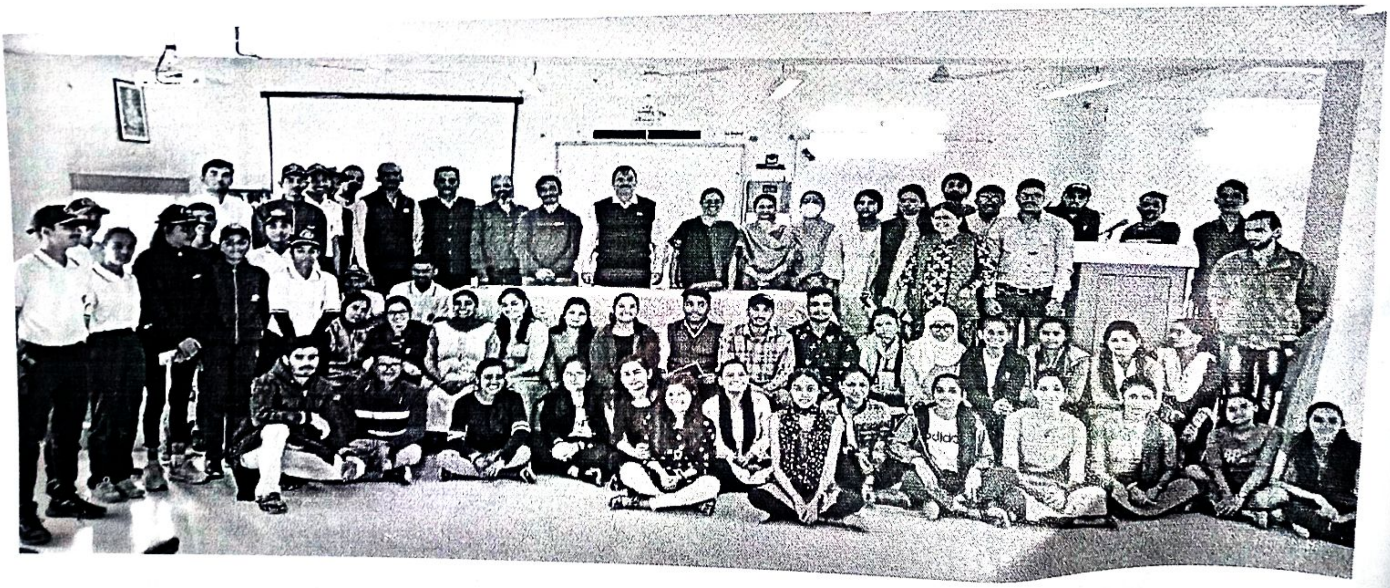

हिन्दी विमर्श कार्यक्रम

दि. 15.10.2022

दिनांक 16.10.2022 को म.प्र. में मेडिकल की पढ़ाई हेतु हिन्दी भाषा में के पाठ्यक्रम का विमोचन भोपाल में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार माननीय अमित शाह द्वारा किया आया है।

इस परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर पर हिन्दी-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में किया जाना था। महाविद्यालय में इसी संदर्भ में दिनांक 15 अक्टूबर 2022 को हिन्दी-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवा भारती की श्रीमती संध्या थी। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनूप व्यास द्वारा थे। कार्यक्रम में अतिथि द्वारा भारतीय संस्कृति एवं भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य आदरणीय व्यास जी द्वारा नई शिक्षा नीति में मातृभाषा का महत्व पर उद्बोधन दिया। हिन्दी विभाग की प्राध्यापक डॉ. मनीषा मरकाम ने हिन्दी भाषा की प्रगति व मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी भाषा में उपलब्ध हो सके इस हेतु निर्मित पाठ्यक्रम, रूपांतरण व आवश्यक कार्यवाही से विद्यार्थियों को अवगत कराया

कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. आशीष पाठक ने संचालन के दायित्व का निर्वहण किया। डॉ. डी. के गुप्ता प्राध्यापक (वाणिज्य) के मार्गदर्शन व हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बिन्दु परस्ते प्रो. शांता चौहान, डॉ. आशा अग्रवाल के सहयोग से कार्यक्रम का संपन्न हुआ। आभार-प्रदर्शन हिन्दी की विभागाध्यक्षा डॉ. सुषमा श्रीवास्तव द्वारा किया गया

हिन्दी में मेडिकल की पढ़ाई

15/10/2022

प्रतिवेदन

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 16 दिसंबर 2022 से 23 दिसंबर 2022 तक मानव संसाधन और आर्थिक विकास विषय पर विश्व बैंक योजना मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता परियोजना अकादमिक उत्कृष्ता गतिविधि के अंतर्गत एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई।

दिनांक 16 दिसंबर 2022 को नव प्रवर्तन और आर्थिक विकास विषय पर प्रोफेसर अंजना सक्सेना प्राध्यापक अर्थशास्त्र महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला मैदान इंदौर द्वारा दिया गया। प्रोफेसर सक्सेना ने विद्यार्थियों को बताया की नव प्रवर्तन किस प्रकार आर्थिक विकास को प्रभावित करते हैं उन्होंने प्रोफेसर शुम्पीटर के सिद्धांत के माध्यम से आर्थिक विकास में नव प्रवर्तन की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की। आपने बताया कि किसी भी नई वस्तु, नया बाजार, उत्पादन का नया तरीका, नया कच्चा माल या संगठन का नया रूप नव प्रवर्तन हो सकता है। जिस देश में नव प्रवर्तन जितना अधिक होगा आर्थिक विकास की गति उतनी ही तेज होगी

दिनांक 17 दिसंबर 2022 को औद्योगिकरण पर्यावरण और आर्थिक विकास पर प्रोफेसर कुशल जैन प्राध्यापक अर्थशास्त्र माता जीजाबाई शासकीय कन्या स्नाकोत्तर महाविद्यालय मोती तबेला इंदौर द्वारा व्याख्यान दिया गया। आप ने बताया की औद्योगीकरण की दौड़ से किस प्रकार पर्यावरण प्रभावित हो रहा है और इसका मानव स्वास्थ्य पर किस प्रकार के दुष्प्रभाव हो रहे हैं। अतः हमें अनवरत विकास की दिशा में प्रयास करना होगा हमें इस प्रकार से विकास की नीतियां बनानी होगी जिससे औद्योगिकरण तो हो लेकिन औद्योगीकरण के बुरे प्रभाव से समाज को बचाया जा सके।

दिनांक 19 दिसंबर 2022 को स्वस्थ मानव पूंजी और आर्थिक विकास पर प्रोफेसर अर्चना व्यास शासकीय महाविद्यालय बागली का व्याख्यान रहा। प्रोफेसर अर्चना व्यास ने स्वास्थ्य की आर्थिक विकास में महिती भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने यह समझाया कि विकास के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों ही दृष्टि से व्यक्ति का स्वस्थ होना आवश्यक है। मानवीय पूंजी किस प्रकार से आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। मानव विकास सूचकांक एवं मानवीय पूंजी में विनियोग करके विकास की गति को किस प्रकार से तेज किया जा सकता है इस विषय पर चर्चा की गई

20 दिसंबर 2022 को आधुनिक जीवन शैली मानवीय संसाधन और आर्थिक विकास पर डॉ सखाराम मुजाल्दे सह प्राध्यापक अर्थशास्त्र अध्ययनशाला डी.ए.वी.वी का व्याख्यान रहा। डॉ मुजाल्दे ने यह बताया की आधुनिक जीवन शैली किस प्रकार से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है अतः हमें पुनः भारत की गौरवमयी परंपराओं को अपनाना होगा, स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना होगा, संतुलित भोजन नियमित व्यायाम और स्वास्थ्य पर ध्यान रखना होगा जिससे आर्थिक विकास की गति को बढ़ाया जा सके ।

21 दिसंबर 2022 को कृषि मानवीय संसाधन और आर्थिक विकास पर प्रोफेसर विमला जैन का उदबोधन रहा। प्रोफेसर जैन ने भारत में कृषि के पिछड़ेपन के कारण बताते हुहे इस दिशा में सरकार के द्वारा

किए गए प्रयास एवं नवीन आधुनिकतम तकनीक द्वारा किस प्रकार से आर्थिक विकास किया जा सकता है इस पर चर्चा की।

दिनांक 22 दिसंबर 2022 को कार्यशील जनसंख्या और आर्थिक विकास पर डॉ ज्योति शर्मा सह प्राध्यापक अर्थशास्त्र माता जीजाबाई शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोती तबेला इंदौर का व्याख्यान रहा। डॉ ज्योति शर्मा ने यह बताया कि भारत में कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत बहुत अधिक है इस कार्यशील जनसंख्या का उचित विदोहन एवं इन्हें मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देकर इनका आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान लिया जा सकता है।

दिनांक 27 12 2022 को शिक्षा मानवीय संसाधन और आर्थिक विकास पर डॉ अर्चना शर्मा प्राध्यापक अर्थशास्त्र महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला मैदान इंदौर का व्याख्यान रहा। डॉ शर्मा ने शिक्षा की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। आपने बताया की विकास के लिए हमें सामान्य शिक्षा की तुलना में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों पर ज्यादा विनियोग करना होगा लोगों को प्रशिक्षित करना होगा जिससे उनकी उत्पादकता बढ़े और आर्थिक विकास में योगदान दे सके।

इस प्रकार विभाग द्वारा सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक दिन कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के पृथक पृथक प्राध्यापकों द्वारा की गई।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सुषमा व्यास अलका रोडे, प्रोफेसर लता जैनए प्रोफेसर कविता अग्रवालए डॉ सुदीप छाबड़ाए डॉ सरोज अजय एवं डॉ अलका जैन द्वारा पृथक प्रथक दिवस किया गया इसी प्रकार आभार प्रदर्शन में भी विभाग के सभी प्राध्यापकों की सहभागिता रही। समापन दिवस के दिन विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए एवं उनसे फीडबैक लिया गया। इस कार्यशाला में स्नातकोत्तर एवं स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा भाग लिया गया।

विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र
(प्रो. सुषमा व्यास)

प्राचार्य
श्री अटल बिहारी वाजपेयी
... कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर

मराठी विभाग

सत्र - 2022-23

एक दिवसीय वेबिनार 'मराठी कथात्म साहित्य' प्रतिवेदन

मराठी विभाग द्वारा दिनांक 28-01-23 को IQAC के सहयोग से एक दिवसीय वेबिनार 'मराठी कथात्म साहित्य' इस विषय पर आयोजित किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता डॉ. अनुपकुमार व्यास महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा की गयी।

वेबीनार के बीजभाषक के रूप में मध्यप्रदेश के सुप्रसिद्ध मराठी लेखक, कवी, और अनुवादक श्री विश्वनाथ शिरढोणकर रहे। उन्होंने अपने बीजभाषण में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

वेबीनार के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अभिजीत तारे (पूर्व प्राचार्य) श्री दादाजी इंजीनियरिंग कॉलेज, खंडवा (म.प्र.) ने 'कथाकथन' करके प्रतिभागियों को ~~साहित्य में कवी और कथात्म साहित्य पर~~ मार्गदर्शित किया।

वेबीनार में लगभग 50 प्रतिभागियोंने अपना सहभाग दर्शाया। अध्यक्षीय समारोप में प्राचार्य अनुप कुमार व्यास सर ने 'मराठी कथात्म साहित्य' के बारे में बताते हुए मराठी में कथात्म साहित्य के परंपरा ~~के~~ पर प्रकाश ~~रखा~~ डाला। और अध्यक्षीय समारोप किया।

वेबीनार का प्रास्ताविक मराठी विभाग प्रमुख डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे ने किया। वेबीनार के प्रमुख वक्ता का परिचय डॉ. बालू लिखे ने किया। वेबीनार का सूत्रसंचालन डॉ. योगेश शेलके ने किया। और आभार डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे ने किया।

Dr. Lunawat
01/02/23

01-02-2
मराठी विभाग
S.A.B.G.A.C.
Indore

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,इंदौर(म.प्र.)

नैक द्वारा 'बी' + ग्रेड प्राप्त
संलग्नित : देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर(म.प्र.)

मराठी विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आयोजित
एक दिवसीय चर्चासत्र (वेबिनार)

विषय :- मराठी कथात्म साहित्य

दि.२८ जानेवारी २०२३, वार – शनिवार वेळ : १२:३० वा.

Google Meet Link
https://meet.google.com/eic-ssjq-egm

✲ अध्यक्ष ✲

डॉ. अनूप कुमार व्यास
प्राचार्य
श्री.अटल बिहारी वाजपेयी शास.
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर
(म.प्र.)

✲ बीजभाषक ✲

श्री.विश्वनाथ शिरढोणकर
सुप्रसिद्ध लेखक व कवी,अनुवादक,
इंदौर (म.प्र.)

✲ मुख्य वक्ता ✲

डॉ.श्रीकांत तारे
(पूर्व प्राचार्य) श्री दादाजी इंजीनियारिंग
कॉलेज,इंदौर (म.प्र.)

✲ संयोजक ✲

मराठी विभाग

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,इंदौर(म.प्र.)

Scanned with CamScanner

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहा. प्राध्यापकों समस्त अतिथि विद्वानों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.11.22 को प्रातः 11.00 बजे भूगोल विभाग द्वारा MPHEQIP, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (म.प्र.) के अन्तर्गत, "पर्यावरणीय रूपान्तरण : उभरते मुद्दे" (Environmental Transformation : Emerging Issues) विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। अतः उक्त कार्यक्रम में आप सबकी गरिमामय उपस्थिति अपेक्षित है।

स्थान : कलाम हॉल

दिनांक : 17.11.22

समय : प्रातः 11:00 बजे

16.11.22

विभागाध्यक्ष

भूगोल - विभाग

प्राचार्य

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

PRINCIPAL
Shri Atal Bihari Vajpayee
Government Arts & Commerce College
INDORE (M.P.)

Report of the special lecture

Department of Geography, SABVGACC, INDORE

Special Lecture on, "Environmental Transformation: Emerging Issues"

Speaker : Dr S.K. SHUKLA, Prof. Emeritus,
Ex Head, Deptt. of Geography,
Dr. Harisingh Gaur University, Sagar (M.P.)

Organisation of Extension lectures is an important features of Post-graduate Departments. It is an innovative practice shares new ideas, thought and vision about the concerning topics. Viewing this, Deptt. of Geography, Shri Atal Bihari Vajpayee Govt Arts and Commerce College, Indore (M.P.) has organised a special lecture on "Environmental Transformation: Emerging Issues". The lecture delivered by Dr. S.K Shukla Professor Emeritus, Dr. Harisingh Gaur University, Sagar (M.P.). The above program is organised under the auspices of MPHEQIP - on 17th NOV. 2022 at 11.30 A.M. in Kalam Hall.

Dr. Shukla has started his lecture defining Environmental Transformation and the evolution of man and his activities from the very begining (primitive age). Human beings form an integral part of the Environment and have the greatest ecological footprint. Since as Homosapien man first walked to the earth and adjusted accordingly, there have been several modifications on the earth through the development of man. The change however has been both,

positive and negative and likely for the betterment results in the worse at some points. Dr. Shukla focussed all related aspects which are badly affecting environment and detoirating its quality. He discussed different aspects of economic development at the cost of environ

It is obvious that environment is an integral part of our activities and interactions. The transformation of environment is becoming hazardous because of human interfearence and encroachment. Dr. Shukla pointed-out following equation to present how the situations/Scenario is changing from the beginning to date.

Curiosity → Primitive man → Worship environment using natural resources well below the sustainability

Creativity → Social man → Aware of environment stories, ceremonies, Religious preaching. Started trading keeping sustainability in mind.

Competance → Modern man → Over exploitation of environment

Dr. Shukla explained all important causes responsible for environmental transformation and deteioration viz. the increasing population, modern agricultural practices, domesticated animals and genetics., Pollution, soil erosion, deforestation and issues of

eco-environmental transformation due to rapid urbanisation.

In brief the role of humans in the present days is so dominent that it is classified as a different geological age, Anthropocene. Sustainable development is seized by over exploitation of natural resources. Therefore man-environment relationship is changed from the concept of man-environment adjustment to Anthropocene.

The above programme is chaired by the Principal Dr Anup Vyas, Shri A.B.V. G.A.C.C. Indore, Dr Venu Trivedi. Prof & Head, conducted the programme and introduced the chief speaker Dr. S.K. Shukla. Vote of thanks is extended by Dr Pragati Bhokardankar. All the faculty members of the department ⊗ and the students of BA I, II, III and MA Previous and final were present in the programme.

⊗ including Prof Dr. D.K. Gupta, Prof Sushma Vyas, Prof. Namita Katju, Prof Sapna Ghoshal ~~were~~

PRINCIPAL
Shri Atal Bihari Vajpayee Government Arts & Commerce College
INDORE (M.P.)

(Dr Venu Trivedi)
Prof. & Head
Deptt. of Geography
Shri Atal Bihari Bajpayee
Govt. Arts & Commerce College

प्रति,

प्राचार्य,

श्री अटल बिहारी वाजपेयी,

कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर

विषय: भूगोल विभाग द्वारा दिनांक 17.11.22 को आयोजित विशिष्ट व्याख्यान हेतु अग्रिम राशि प्रदान करने बाबद।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत विनम्र निवेदन है कि दिनांक 17.11.22 को प्रातः 11:बजे भूगोल विभाग द्वारा "पर्यावरणीय रूपान्तरण: उभरते मुद्दे" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान डॉ. एस.के. शुक्ला, प्रोफेसर एमेरेटस, भूगोल डॉ. हरिसिंह गौर वि.वि. सागर का आयोजित किया जा रहा है। अतः उक्त कार्यक्रम आयोजन हेतु अग्रिम राशि रु 6000=00 (छः हजार मात्र) की आवश्यकता है। ~~अतः~~ उक्त अग्रिम समायोजन हेतु मेरे द्वारा निर्धारित देयक आपकी सेवा में कार्यक्रम उपरान्त प्रस्तुत कर दिये जायेंगे। कृपया प्रदान कर अनुग्रहित करने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

भवदीय,

(डॉ. वेनु त्रिवेदी)

विभागाध्यक्ष भूगोल

दिनांक 16.11.22

16/11/22

Shri Atal Bihari Vajpayee Government Arts & Commerce